ISSN 2319-8095
PROGRESSIVE RESEARCH JOURNAL
VOL.9 No 01 DEC 2016

सिद्धार्थनगर जनपद के ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का भौगोलिक अध्ययन

* डॉ. शिष्ट पाल सिंह

ग्रामीण जनसंख्या के अन्तर्गत जनसंख्या का वह भाग शामिल किया जाता है जो ग्रामीण अथवा कृषि प्रधान क्षेत्रों में निवास करती है जबकि नगरीय जनसंख्या गैर कृषि प्रधान क्षेत्रों में निवास करती है। ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या वर्गीकरण के लिए कोई सैद्धान्तिक मापदण्ड नहीं है लेकिन मानव के क्रिया–कलाप के आधार पर भूगोल वेदताओं ने निर्धारण किया है। प्राथमिक क्रिया–कलाप में संलग्न जनसंख्या को ग्रामीण एवं द्वितीयक, तृतीयक, चतुर्थक क्रिया कलापों में संलग्न को नगरीय जनसंख्या में वर्गीकृत किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र :

अध्ययन क्षेत्र का विकास भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़ा हुआ है। इनके पिता शुद्धोधन की राजधानी कपिलवस्तु इसी जिले में है। जिले का नामकरण भी गौतम बुद्ध के आरम्भिक नाम राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर हुआ है। अतीत काल में वनों से आच्छादित हिमालय की तलहटी का क्षेत्र कौशल अथवा साकेत राज्य का हिस्सा था। जनपद का भौगोलिक विस्तार 27°4' उत्तरी अक्षांश से 27°30' उत्तरी अक्षांश तथा 82°23' पूर्वी देशान्तर से 83°16' पूर्वी देशान्तर के मध्य है। जिले के उत्तर में नेपाल राज्य, पूर्व में महराजगंज, दक्षिण में बस्ती तथा पश्चिम में बलरामपुर की सीमाऐं हैं। दक्षिण – पश्चिम कोण पर गोण्डा जिले की सीमा लगभग 76 किमी0 है। दक्षिण में बस्ती जिले की सीमा रुदौली पुल से उत्तर कपिलवस्तु तक जिले की उर्ध्वाधर लम्बाई लगभग 65 किमी है। जिले का आकार हथेली की तरह है। सृजन के समय जिले का कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल 2956 वर्ग किमी0 है। इसमें से 2926.3 वर्ग किमी0 ग्रामीण क्षेत्र है तथा 29.7 वर्ग किमी0 नगरीय क्षेत्र है।

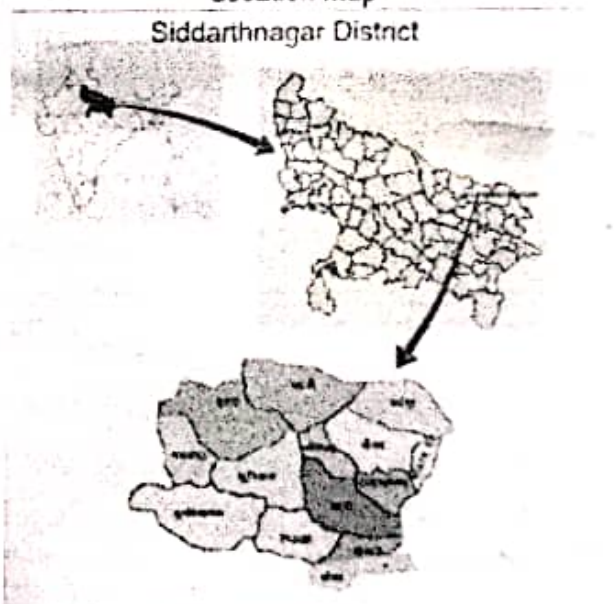

* असि0प्रोफेसर(भूगोल विभाग) एम0 एल0 के0 (पी0 जी0)कालेज, बलरामपुर

Scanned with OKEN Scanner

सिद्धार्थनगर जनपद पूर्व में बस्ती जिले का हिस्सा था। बस्ती के बाँसी, नौगढ़ व डुमरियागंज तहसीलों को काट कर 29 दिसम्बर 1988 को पृथक प्रशासनिक इकाई का सृ किया गया। सृजन के समय यह कमीश्नरी स्थापित होने के बाद यह बस्ती मण्डल में आ ग गत 13 जनवरी 2004 को बस्ती मण्डल समाप्त होने पर पुनः गोरखपुर मण्डल में आ गया। 1990 में जिले में इटवा तथा 1997 में शोहरतगढ़ तहसील के सृजन के बाद जिले में कु तहसीलें, 14 विकासखण्ड, 1015 ग्राम पंचायतें तथा 152 न्याय पंचायतें है। सिद्धार्थनगर में कुल 2314 आबाद एवं 218 गैर आबाद ग्राम है। बाँसी तथा सिद्धार्थनर दो नगर पालि तथा शोहरतगढ़ व बढ़नी दो नगर पंचायतें है। जिले में कुल 19 पुलिस स्टेशन है।

ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या :

2001 की जनगणना के अनुसार जिले की कुल जनसंख्या 20,28,598 है। इ 10,47,573 पुरुष तथा 9,91,025 स्त्रियाँ है। आँकड़ों के अनुसार तहसील नौगढ़ की ग्रा जनसंख्या 4,54,668 है, इसमें 2,36,426 पुरुष तथा 2,18,242 स्त्रियाँ है, बाँसी तहसी ग्रामीण जनसंख्या 4,42,339 है, इसमें 2,24,655 पुरुष तथा 2,17,684 स्त्रियाँ हैं। डुमरिया तहसील की जनसंख्या 3,82,667 है, जिसमें 1,96,539 पुरुष तथा 1,86,128 स्त्रियाँ है। इ तहसील की कुल ग्रामीण जनसंख्या 3,71,337 है, जिसमें 1,89,682 पुरुष तथा 1,81,655 स्त्रि है तथा शोहरतगढ़ तहसील की ग्रामीण जनसंख्या 3,09,884 है जिसमें 1,59,539 पुरुष 1,50,345 स्त्रियाँ है।

तालिका संख्या –01 सिद्धार्थनगर जनपद में ग्रामीण–नगरीय जनसंख्या (2001)

तहसील (ग्रामीण)	जनसंख्या	तहसील (नगरीय क्षेत्र)	जनसंख्या
नौगढ़	162787	नौगढ़	13607
बाँसी	155508	बाँसी	19239
डुमरियागंज	142719	बढ़नी	7043
इटवा	106861	शोहरतगढ़	4061
शोहरतगढ़	99925		

स्त्रोत जिला सांख्यकीय पत्रिका।

जिले की नगरीय जनसंख्या नौगढ़, बाँसी, शोहरतगढ़ एवं बढ़नी नगरीय केन्द्र निवास करती है। 2001 में नौगढ़ की आबादी 21,915 है जिसमें 11,556 पुरुष तथ 10 स्त्रियाँ है। बाँसी नगर की जनसंख्या 35,628 है जिसमें 18,599 पुरुष तथा 17,029 स्त्रिय बढ़नी नगर की जनसंख्या 10,285 है जिसमें 6,248 पुरुष तथा 4,037 स्त्रियाँ हैं शोहर

Scanned with OKEN Scanner

नगर पंचायत की जनसंख्या 3,09,884 है जिसमें 1,59,539 पुरुष तथा 1,50,345 स्त्रियाँ है। वर्ष 2001 की जनगणना में जिले में 0–6 वर्ष तक के बच्चों की जनसंख्या 4,17,771 थी जिसमें 2,12,835 बालक तथा 2,04,436 बालिकाऐं है। निम्न सारणी द्वारा जनपद के विकासखण्ड की ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या को दिखाया गया है–

तालिका संख्या –02 विकासखण्डवार ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत

क्रम संख्या	विकासखण्ड	ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत	नगरीय जनसंख्या प्रतिशत
1	इटवा	93.92	6.08
2	खुनियाँवा	96.81	3.19
3	शोहरतगढ़	94.53	5.47
4	बर्डपुर	98.02	1.98
5	नौगढ़	89.05	10.05
6	डुमरियागंज	95.05	4.05
7	ज़ोगिया	98.0	2.0
8	उस्का बाजार	96.0	4.0
9	बढ़नी	97.9	2.1
10	बाँसी	97.02	2.98
11	मिठवल	98.57	1.43
12	साथा	97.59	2.41
13	भनवापुर	98.29	1.71
14	खेसरहा	99.02	0.98

स्त्रोत :– जिला सांख्यकीय पत्रिका (1991)

नगरीयकरण–

जनसंख्या का विकासखण्डवार अध्ययन करने पर यह स्पष्ट है कि नगरीयकरण की सर्वाधिक प्रवृत्ति नौगढ़ विकास खण्ड में दिखाई पड़ रही है। जहाँ 10.5 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है इसके अतिरिक्त डुमरियागंज, जोगिया, उस्का बाजार, बढ़नी, बाँसी, मिटवल, साथा में 5 प्रतिशत से कम तथा दो विकासखण्ड में 2 प्रतिशत से भी कम शहरी जनसंख्या निवास करती है।

जनपद का सबसे बड़ा विकास खण्ड नौगढ़ विकासखण्ड है जिसमें 1991 में नगरीय जनसंख्या केवल 7.05 प्रतिशत थी जो 2001 में बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गयी। इसी प्रकार

Scanned with OKEN Scanner

दूसरा सबसे बड़ा विकासखण्ड शोहरतगढ़ है जिसमें 1991 में नगरीय जनसंख्या 3.02 प्रति
थी जो 2001 में बढ़कर 5.47 प्रतिशत हो गयी। जिले का तीसरा बड़ा विकासखण्ड डुमरिया
है जिसमें 4.05 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है जहाँ 1991 में केवल 3.15 प्रतिशत जनसं
नगरीय थी। दिन प्रतिदिन सुविधाओं का विकास होने के कारण नगरीयकरण की प्र
उत्तरोत्तर बढ़ती दिखाई पड़ रही है।

निष्कर्ष :–

इस प्रकार उपरोक्त अध्ययन से स्पष्ट है कि सिद्धार्थनगर जनपद में कृषि की प्रधा
है, जिसके परिणाम स्वरूप यहाँ ग्रामीण जनसंख्या ही मुख्य रूप से निवास करती है। लो
कुछ वर्षों में नगरों व कस्बों का विकास तीव्र गति से हो रहा है। जिसके कारण शहरीकर
वृद्धि हो रही है।

References

1. adav, Hiralal (1993): Population Geography, Vasundhra Prakasan, Gorakh
Page No- 250-287.
2. Yadav, P.L: (1993): The Geographical Study of North Bihar Resources,
Unpublished thesis of Ambedkar Bihar University,
Muzapharpur.
3. R.C. Chadana: Population Geography.
4. Singh R.P. and Kumar Anil (1970): Irrigation, P.P. 2072, Monography of Bi
Bharti Bhawan, Patana.
5. Singh, S.N. (1989) Population Transition in India, Vol-2, B.R. Publications,
Delhi. P.P.-227-231.

Scanned with OKEN Scanner